**श्रीराम शांताय जैविक कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र, कोटा के लोकार्पण समारोह के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन**

---

***माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, श्री नरेंद्र तोमर जी; आदरणीय श्री सुरेश जी "भैयाजी" जोशी; केंद्र के निदेशक, श्री ताराचंद गोयल जी;***

**उपस्थित माननीय अतिथिगण*, देवियो एवं सज्जनो:***

---

- शिक्षा की काशी कोटा में गोयल ग्रामीण विकास संस्थान द्वारा निर्मित श्रीराम शांताय जैविक कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र के लोकार्पण समारोह में आप सभी माननीय अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन एवं स्वागत है।

- विशेष रूप से आदरणीय भैया जी जोशी जी का एवं केंद्र सरकार में माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र तोमर जी का कोटा में हार्दिक अभिनंदन करता हूँ।

- यह सुखद संयोग है कि आज के ही दिन से नवरात्र एवं नव वर्ष का आरंभ हो रहा है, इसलिए आप सभी को नव संवत्सर की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। साथ ही, आप सभी को राजस्थान प्रांत के 73वें स्थापना वर्ष पर भी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

- यह प्रसन्नता का विषय है कि आज इस सुअवसर पर मेरे संसदीय क्षेत्र कोटा में इस महत्वपूर्ण जैविक कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र का लोकार्पण किया जा रहा है। मुझे विश्वास है कि यह केन्द्र सिर्फ हाड़ौती क्षेत्र ही नहीं, बल्कि पूरे राजस्थान के किसानों को वैज्ञानिक खेती करने के लिए प्रेरित करेगा।

- यह ऐसा केन्द्र होगा जहां पर इस क्षेत्र के किसान जैविक खेती के विषय में सीखने के लिए यहां आएंगे, यहां उस पद्धति को देखेंगे, सीखेंगे और जैविक खेती के माध्यम से न केवल कृषि उत्पादन बढ़ाएंगे बल्कि अपने खेत को भी सुरक्षित रख पाएंगे। निश्चित रूप से यह केंद्र इस सम्पूर्ण क्षेत्र में एक सकारात्मक परिवर्तन लाएगा।

- भारत में पिछले कुछ दशकों के दौरान कृषि क्षेत्र में खाद्य उत्पादन में कई गुना वृद्धि हुई है। हमने हमारी बढ़ती जनसंख्या के लिये पर्याप्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। परंतु यह भी सत्य है कि इस सफलता को प्राप्त करने के क्रम में हमारे प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण पर अधिक दबाव पड़ा है।

- आधुनिक खेती में अधिक रासायनिक खादों एवं कीटनाशकों इत्यादि के निरंतर उपयोग से भले ही हमारी उत्पादकता बढ़ी हो, परंतु मिट्टी के स्वास्थ्य पर, धरती की उर्वरा शक्ति पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इतना ही नही, यह हमारे शरीर और स्वास्थ्य के लिए भी नुकसानदेह साबित हुआ है।

- यही कारण है कि आज जैविक रूप से उगाए गए खाद्य पदार्थों की लोकप्रियता दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है।

- अब समय आ गया है कि हम रासायनिक खादों की जगह जैविक खेती को प्रोत्साहित करें। जैविक खेती के द्वारा पैदा किया गया अनाज ही एक सतत एवं सुरक्षित भविष्य का मार्ग है।

- आज अनेक देशों के संतों, वैज्ञानिकों एवं विद्वानों ने जैविक खेती के महत्व को समझा है और जैविक खेती के अभियान की शुरूआत की है।

- मैंने ऐसा देखा है कि हम आज भी वैज्ञानिक तरीके से खेती नहीं कर रहे हैं। हमें न सिर्फ कृषि उपज को बढाना है, बल्कि हमें अपनी मिट्टी को भी बचाना है। धरती पूरी मानवता की थाती है। इसे हमें भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना है।

- **माननीय प्रधानमंत्री जी ने SOIL HEALTH CARD जारी करते समय स्वस्थ धरा, खेत हरा का आहवान किया था। हमारे लिए यह सम्मान का विषय है कि यह क्रांतिकारी कदम राजस्थान की धरती से ही आरंभ किया गया था।** फसल तभी अच्छी होगी, जब धरती का स्वास्थ्य उत्तम होगा। इसलिए हमें खेत की मिट्टी की नियमित रूप से  जांच करानी चाहिए। मिट्टी के परीक्षण में जो भी कमी सामने आए, हमें उसी के अनुसार उपचार करना है।

- जैसे हम शरीर की बीमारी की जांच करते हैं, उसका उपचार करते हैं, उसी प्रकार हमें अपनी मिट्टी की स्वास्थ्य की भी देखभाल करनी है।

- इस पद्धति से यदि हम खेती करेंगे कि किस प्रकार की मिट्टी पर कौन सी फसल उगानी है, कौन से बीज और कितने पानी का प्रयोग करना है, किस प्रकार का खाद और कितनी मात्रा में कौन सी दवाई का उपयोग करना है, तभी उपज की गुणवत्ता और मात्रा में भी वृद्धि होगी, साथ ही हमारी धरती की उर्वरता भी सुरक्षित रहेगी।

- विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि इस प्रकार की वैज्ञानिक खेती के अच्छे परिणाम सामने आए हैं। विकसित देशों में ऑर्गेनिक फ़ार्मिंग के फायदे भले ही आज समझे जा रहे हैं, परंतु हमारे लिए यह कोई नई

अवधारणा नही है। हजारों वर्षों से हमारे किसान प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग करते हुए खेती का काम करते रहे हैं।

- आज भी ऐसे कई किसान हैं जो प्राकृतिक पद्धति से लाभकारी खेती कर रहे हैं। इसलिए आवश्यकता है कि हमारी प्राचीन कृषि पद्धति का गहन अध्ययन हो, उसपर रिसर्च हो, तथा इस बारे में व्यापक जानकारी जनसाधारण को उपलब्ध कराई जाए।

- देश में ऑर्गेनिक फ़ार्मिंग के अधिकतम उपयोग की आवश्यकता को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सरकार द्वारा उचित महत्व दिया जा रहा है। देश के अलग अलग हिस्सों में ऑर्गेनिक फ़ार्मिंग हेतु मोडेल पद्धतियाँ विकसित की जा रही हैं तथा इस पर अनुसंधान किए जा रहे हैं।

- वैसे तो देश में ऑर्गेनिक फ़ार्मिंग के अंदर वर्तमान क्षेत्रफल कुल कृषि क्षेत्र का मात्र 2 प्रतिशत ही है, पर देश भर में इसके व्यापक विस्तार की संभावनाएं हैं।

- सिक्किम पहले ही ऐसा राज्य बन चुका है जहां पूरी तरीके से जैविक खेती होती है। यह प्रसन्नता का विषय है कि मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र के साथ साथ राजस्थान भी इस क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।

- मेरा मानना है कि श्रीराम शान्ताय केंद्र राजस्थान में जैविक कृषि के संवर्धन में उल्लेखनीय भूमिका अदा करेगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह मात्र एक अनुसंधान केंद्र नहीं है बल्कि यहाँ इस पद्धति में प्रशिक्षण का कार्य भी किया जाएगा।

- जैसे जैसे पूरे देश में ऑर्गेनिक फ़ार्मिंग का प्रसार होगा, अधिक संख्या में रीसोर्स पर्सन्स की आवश्यकता पड़ेगी, जो देश के अंदर विभिन्न स्थानों में जाकर इस पद्धति के बारे में किसानों को शिक्षित करेंगे तथा लाभकारी कृषि करने में उनकी सहायता करेंगे।

- मैंने यह भी देखा है कि आप आस पास के क्षेत्रों में रहने वाले किसानों के साथ निरंतर चर्चा संवाद करेंगे, आप उनके साथ लगातार संपर्क रखेंगे तथा अभ्यास, मासिक बैठक, ग्राम चौपाल इत्यादि के माध्यम से ऑर्गेनिक फ़ार्मिंग के बारे में, उनके उत्पादों के मार्केटिंग के बारे में, पशुपालन के आधुनिकतम तरीकों के बारे में उनकी जानकारी में वृद्धि करेंगे।

- दरअसल इस केंद्र का और अन्य स्थानों पर बनाए गए ऐसे केंद्रों का मूल उद्देश्य यही होना चाहिए कि वे किस प्रकार किसानों के अंदर क्षमता संवर्धन कर सकते हैं, उनके कौशल में कैसे वृद्धि कर सकते हैं। किसानों

तथा वैज्ञानिक केंद्रों के बीच प्रभावी संवाद एक सशक्त कृषि आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था के निर्माण का मजबूत आधार है।

- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में वर्तमान केंद्र सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए कई विकास कार्यक्रमों, योजनाओं, सुधारों और नीतियों का क्रियान्वयन किया है। इस नीतियों का उद्देश्य किसानों की आय सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ साथ सतत कृषि और सतत विकास को भी बढ़ावा देना है। इन नीतियों एवं योजनाओं के माध्यम से कृषि क्षेत्र और सशक्त हुआ है। कोविड महामारी के दौरान जब अर्थव्यवस्था के सभी sectors में कमी आ रही थी तो कृषि क्षेत्र ने ही देश के GDP को संभाला।
- माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र तोमर जी के नेतृत्व में कृषि मंत्रालय ने भी ऑर्गैनिक फ़ार्मिंग के विकास के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए हैं जिसके लिए उनका साधुवाद। उनकी योजनाओं से उत्तर-पूर्व भारत सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों में जैविक खेती योजनाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है।
- इन योजनाओं के तहत, किसानों को जैविक संसाधनों का उपयोग करके जैविक खेती को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और किसानों को जैविक उत्पादों के उत्पादन से लेकर मूल्यवर्धन, प्रमाणीकरण और बिक्री के लिए आवश्यक सहायता प्रदान की जाती है।
- पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य, दोनों की सुरक्षा के अलावा पारंपरिक खेती की तुलना में जैविक खेती के कई फायदे हैं। जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए हमें और अधिक शोध तथा निवेश करने की जरूरत है।
- मुझे विश्वास है कि श्रीराम शांताय जैविक कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र जैविक खेती पर शोध तथा इसके विकास में अग्रणी संस्थान बनेगा।
- यह संस्थान गौ और वैदिक कृषि के साथ साथ जैविक कृषि से संबंधित सारे मुद्दों पर अपना शोध केंद्रित कर रहा है। देशी तथा पारंपरिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में आपके समस्त प्रयासों की मैं सराहना करता हूँ।
- मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह केंद्र इस पूरे क्षेत्र में एक नई कृषि क्रांति का सूत्रधार बनेगा तथा किसानों की समृद्धि तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित एवं समर्पित होकर कार्य करेगा।

धन्यवाद।